

खेल और मस्ती के साथ बच्चे पढ़ेंगे पाठ

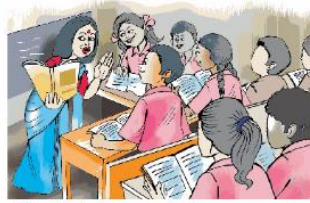
जहां, संयोजक : बच्चों के सरकारी स्कूलों में भी बच्चों में खेलने और पढ़ाने की जड़ें जड़ते हैं। लेकिन जल्द ही इनको पढ़ने-पढ़ाने का बेहतर तरीका अपनाने के लिए शिक्षा विभाग और प्रधान मंत्री शिक्षा विद्यालय के सहयोग से शुरू करेगा है। बच्चों का शैक्षणिक प्रदर्शन ही चुनौती है जल्द ही दूसरे बच्चों में भी इसे अपनाया जाएगा।

मुख्य विशेष अधिकारी मनीष बंसल के मुताबिक प्रायोगिक इकाओं के सरकारी स्कूलों के बच्चों में खेलने की लक्ष्य कार्यक्रमों के बच्चों से कम नहीं है। हमारी कोशिश है कि स्कूलों में ऐसा माहौल पैदा किया जा सके जिससे बच्चे पढ़ने की मस्ती के साथ पढ़ सकें। बच्चों को खेल और आनंद के साथ चीजों को सिखाने के लिए एनिमेटेड फिल्म कार्यक्रम शुरू करना है। इसमें कुशल टीचरों द्वारा विस्तृत कुछ अलग तरीके से बच्चों को पढ़ाया हो उनको पढ़ने में जा सके है। योग्य टीचरों द्वारा दूसरे शिक्षकों को ट्रेनिंग दिया जा सके है।

तीन श्रेणियों में बांटे गए बच्चे : स्कूल स्तर पर बच्चों के ज्ञान को परखने के लिए तीन श्रेणियों में बांटा गया है। प्रथम, द्वितीय, तृतीय

● लैंग्विज विद्यालय के जहाँ सरकारी स्कूलों में शुरू होगा माहौल

● परस्त्री का तबला से अगाऊ रमी बच्चों में होगी शुरूआत



श्रेणी व गणित में करीब 20 हजार छात्रों का पुणेकन कर उनको हरे, पीले व लाल रंग में बांटा गया है। हवा रंग उन बच्चों को दिया गया जिनका प्रदर्शन ठीक था। पीले रंग में संतोषजनक प्रदर्शन करने वाले बच्चों को रखा गया और लाल रंग उन बच्चों को दिया गया जिन पर अधिक काम करने की जरूरत है।

बोकेटी में सफल रहा प्रयोग : खंड शिक्षाधिकारी सतीश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक प्रयोग सफल रहा है। बच्चों

शिक्षकों द्वारा माइक्रो बना कर करीब एक हजार शिक्षकों को कार्यशाला आयोजित हुई। शिक्षकों ने लाल श्रेणी के बच्चों पर विशेष ध्यान देते हुए उनकी माताओं से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर स्कूलों में माता तथा शिक्षण पद्धति, वर्णमाला पद्धति से इनका पूर्ण से अंदाज और पद्धति का प्रयोग करते हुए बच्चों, शत्रु आधांतरित गतिविधियों, अक्षर व बांछात्रों आधांतरित गतिविधियों का समायोजन किया गया, जिससे बच्चों की रचि अंत तक बनी रही

मुख्य बातें

- बच्चों को एनिमेटेड बच्चों के लिए पाठ से बात लिखकर बच्चों को विषय आधांतरित जानकारी, आंकड़े व सूचनाएँ दी जायेंगी है।
- 15 से 20 मिनट तक लिखी विषय पर खोजबीन करने, आंकड़े एकत्र करने या खोज कर समस्या का समाधान करना
- बच्चों के बात जा कर उनकी व्यक्तिगत समस्या को देखना
- बच्चों को पाठ कर अने को नुस्ती बलिष्ठ कैसे पाठ करना है इसकी शिक्षा देना
- विभिन्न गतिविधियों व खेलों के माध्यम से बच्चों को पढ़ाना
- आठवरीली से बच्चों को पढ़ाने का करना, पाठ्य कार्य द्वारा बच्चों का निर्माण, व पाठ्य करने के लिए बेहतर व बेहतर-बेहतर प्रभावकारी रहे।

और पढ़ने का अनुभव लिया। तीनों ओर मनीष बंसल के मुताबिक बोकेटी में इनके बेहतर परिणाम मिले हैं। जल्द ही इसे पूरे जिले में शुरू किया जाएगा। बच्चों का अधिक स्तर सुधारने बिना किसी तरह का विकास बेवानी है।